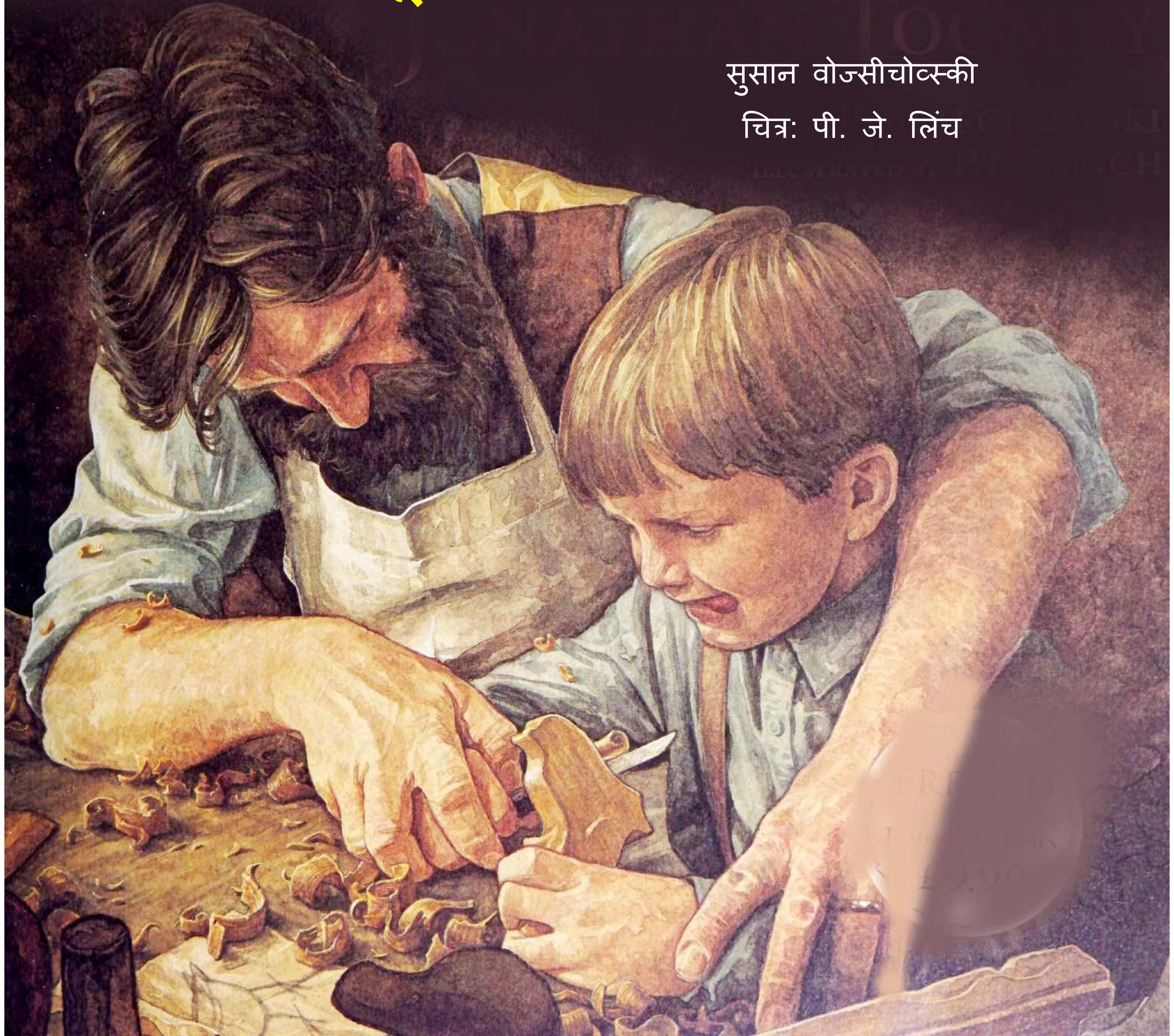
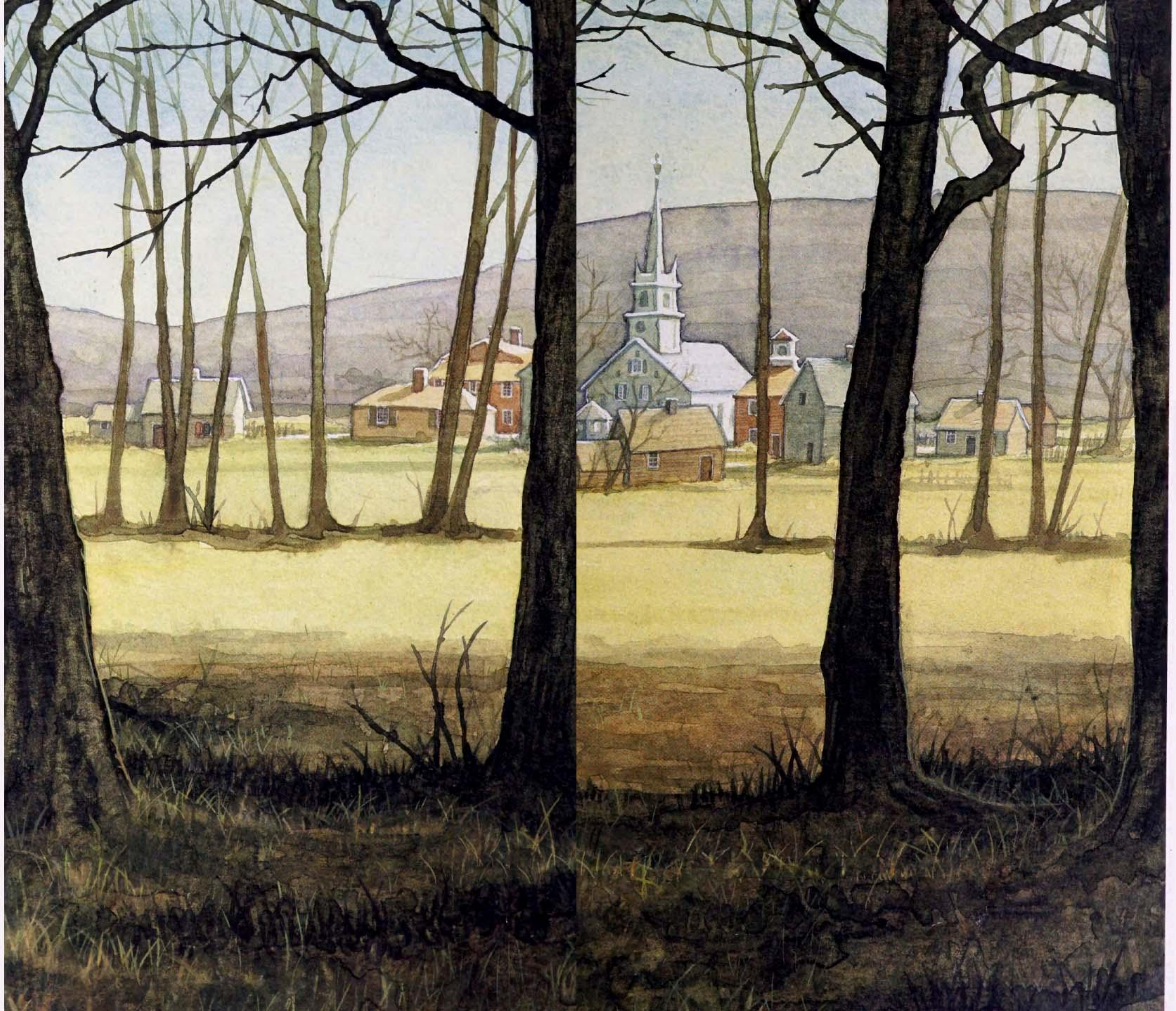
जोनाथन टूमी का क्रिसमस चमत्कार

सुसान वोज्सीचोव्स्की

चित्र: पी. जे. लिंच



जब विधवा मैकडॉवेल और उसके बेटे थॉमस ने एक सर्दियों के दिन जोनाथन टूमी के दरवाजे पर दस्तक दी, तो उन्हें एक ठंडा स्वागत मिला, क्योंकि जोनाथन खुद को अपने तक ही सीमित रखता था - बच्चे उसे मिस्टर ग्लूमी यानि उदास बुलाते थे. हालांकि, कोई नहीं जानता कि कभी वह अपनी पत्नी और बच्चे के साथ एक खुशमिजाज आदमी था और यह कि उनकी मृत्यु का दुख ने ही उसे इतना कठोर और ठंडा बना दिया था. क्या नक्काशी करने वाला क्रिसमस के लिए लकड़ी की मूर्तियां बनाएगा, विधवा ने पूछा, और क्या उसका बेटा उसे काम करते हुए देख सकता है? जब जोनाथन, हालांकि रूखेपन से उसके अनुरोधों पर सहमत होता है, तो यह एक चमत्कार की शुरुआत होती है जो उसके उदास, ठंडे दिल को गर्म कर देती है.

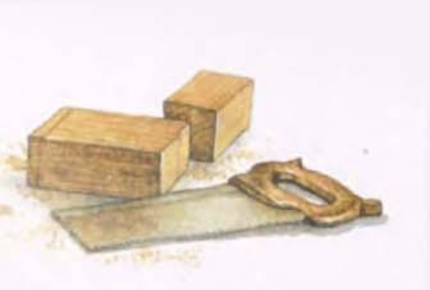


जोनाथन टूमी का क्रिसमस चमत्कार



सुसान वोज्सीचोव्स्की
चित्र: पी. जे. लिंच

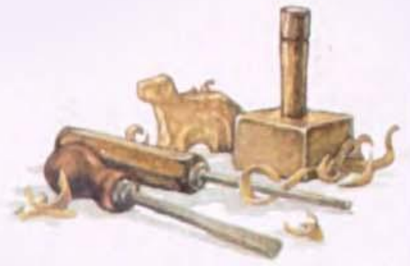
गांव के बच्चे उसे मिस्टर ग्लूमी यानि उदास कहते थे. लेकिन, वास्तव में, उसका नाम टूमी था - मिस्टर जोनाथन टूमी. और हालांकि लोगों को उलटे-सुलटे नाम से पुकारना अच्छा नहीं था, लेकिन यह नाम उसपर काफी सटीक बैठता था. जोनाथन टूमी शायद ही कभी मुस्कुराता था और वो कभी हंसता नहीं था. वह हमेशा बड़बड़ाता रहता था. वो बड़बड़ाता और बड़बड़ाता रहता था, चिड़चिड़ाता और शिकायत करता रहता था. वह शिकायत करता था कि चर्च की घंटियाँ बहुत बार क्यों बजती हैं, पक्षी बहुत तेज़ आवाज़ में क्यों गाते हैं, बच्चे बहुत तेज़ आवाज़ करते हुए क्यों खेलते हैं.





मिस्टर टूमी लकड़ी के नक्काशीकार थे. कुछ लोगों का कहना था कि वह पूरी घाटी में सबसे अच्छे लकड़ी के नक्काशीकार थे. वह हर दिन एक वर्कबेंच पर बैठकर, चीड़, हिकॉरी और चेस्टनट की लकड़ी केब्लॉक से सुंदर आकृतियाँ बनाते हुए बिताते थे. रात के खाने के बाद, वह चिमनी के पास एक सीधी पीठ वाली कुर्सी पर बैठकर, अपना पाइप पीते हुए और आग की लपटों को घूरते हुए बैठते थे.

जोनाथन टूमी बूढ़े आदमी नहीं थे, लेकिन अगर आप उन्हें देखते तो आपको लगता कि वह बूढ़े थे, जिस तरह से वह आगे की ओर झुके हुए और अपना सिर नीचे करके चलते थे. आप उनकी आँखों पर ध्यान देते, तो वो अगस्त के आसमान की तरह साफ नीली थीं. और आप उसकी ठोड़ी पर डिंपल नहीं देख पाते, क्योंकि उनका चेहरा एक झबरी, बिना कटी दाढ़ी के नीचे छिपा हुआ रहता था, जिस पर लकड़ी की छीलन चिपकी रहती थी और, उस दिन उन्होंने जो खाया था, रोटी के टुकड़े या आलू या सूखी ग्रेवी उसकी झूठन भी.





गाँव के लोगों को यह नहीं पता था, लेकिन उनके उदास होने का एक कारण था, उनके बड़बड़ाने का एक कारण था, उसी कारण से वह झुककर चलते थे, जैसे कि उनके कंधों पर बहुत बड़ा भार हो. कुछ साल पहले, जब जोनाथन टूमी युवा और जीवन से भरे हुए थे, तो उनकी पत्नी और बच्चा बहुत बीमार पड़ गए थे. और, क्योंकि उन दिनों अस्पताल, दवाइयों और कुशल डॉक्टर नहीं थे, इसलिए उसकी पत्नी और बच्चे की मृत्यु एक दूसरे से तीन दिन के अंतराल में हो गई थी.

उसके बाद जोनाथन टूमी ने अपना सामान एक वैगन में पैक किया और वो तब तक यात्रा करते रहे जब तक उसके आँसू बंद नहीं हो गए. और फिर वह अपनी लकड़ी की नक्काशी करने के लिए गाँव के किनारे एक छोटे से घर में जाकर बस गए.





दिसंबर की शुरुआत में एक दिन जोनाथन के दरवाजे पर दस्तक हुई. वह बड़बड़ाते हुए दरवाज़े पर गया. बाहर एक महिला और एक छोटा लड़का खड़ा था.

“मैं विधवा मैकडॉवेल हूँ, मैं आपके गाँव में नई हूँ. यह मेरा बेटा थॉमस है,” महिला ने कहा.

“मैं सात साल का हूँ और मुझे सीटी बजाना आता है,” थॉमस ने कहा.

“सीटी बजाना बहुत बढ़िया बात है,” लकड़ी के नक्काशीकार ने कर्कश स्वर में कहा.

“मुझे नक्काशी की कुछ मूर्तियां चाहिए,” महिला ने कहा और उसने जोनाथन को क्रिसमस की एक बहुत ही खास आकृति के बारे में बताया जिसे उसके दादा ने उसके लिए तब बनाया था जब वह एक छोटी लड़की थी.

“यहाँ आने के बाद, मुझे पता चला कि वे खो गई हैं,” महिला ने समझाया. “मुझे उम्मीद थी कि किसी चमत्कार से मैं उन्हें फिर से पा लूँगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ.”

“चमत्कार जैसी कोई चीज़ नहीं होती,” लकड़ी के नक्काशीकार ने महिला से कहा. “अब, क्या तुम उन आकृतियों के बारे में मुझे कुछ बता सकती हो?”

“भेड़ें थीं,” महिला ने उससे कहा.

"उनमें से दो के ऊन घुंघराले थे," थॉमस ने कहा.

"हाँ, दो," विधवा ने कहा, "और एक गाय, एक देवदूत, मैरी जोसेफ, बेबी यीशु और बुद्धिमान पुरुष."

"बुद्धिमान तीन थे," थॉमस ने कहा.

"क्या आप यह काम स्वीकार करेंगे?" विधवा मैकडॉवेल ने पूछा.

"हाँ मैं लूँगा."

"मैं आभारी हूँ. आप उन्हें कितनी जल्दी तैयार कर सकते हैं?"

"वे तैयार हो जाएँगे, जब वे तैयार हो जाएँगे," उसने कहा.

"लेकिन वो क्रिसमस तक बन जाएं तो बहुत अच्छा होगा. वे मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं. उनके बिना मेरी क्रिसमस सूनी होगी."

"क्रिसमस बहुत बढ़िया होती है," जोनाथन ने कर्कश स्वर में कहा और फिर उसने दरवाज़ा बंद कर दिया.



अगले हफ़्ते लकड़ी के नक्काशी करने वाले के दरवाज़े पर दस्तक हुई. बुदबुदाते और फुसफुसाते हुए, वो दरवाज़ा खोलने गया. वहाँ विधवा मैकडॉवेल और थॉमस खड़े थे.

"माफ़ करें," विधवा ने कहा, लेकिन थॉमस आपसे काम देखने की भीख माँग रहा है. वह कहता है कि जब वह बड़ा होगा तो वह भी लकड़ी का नक्काशीकार बनेगा और वह आपको काम करते हुए देखना चाहता है क्योंकि आप घाटी के सबसे अच्छे नक्काशीकार हैं."

"मैं बिल्कुल चुप रहूँगा. आपको यह पता भी नहीं चलेगा कि मैं यहाँ हूँ. कृपया," थॉमस ने कहा.

एक बड़बड़ाहट के साथ, लकड़ी का नक्काशीकार उन्हें अंदर जाने देने के लिए एक तरफ हट गया. उसने अपने कार्यक्षेत्र के पास एक स्टूल की ओर इशारा किया.

"कोई बात नहीं, देखो बिल्कुल हिलना-डुलना नहीं, और कोई शोर नहीं," उसने थॉमस को आदेश दिया

विधवा मैकडॉवेल ने धन्यवाद के प्रतीक के रूप में मिस्टर टूमी को मकई की गर्म डबलरोटी दी. फिर उसने अपनी बुनाई निकाली और झोपड़ी के दूर कोने में एक रॉकिंग-कुर्सी पर बैठ गई.

"वहाँ नहीं!" लकड़ी का नक्काशीकार चिल्लाया. "कोई भी उस कुर्सी पर नहीं बैठता है." इसलिए, वह फिर आग के पास सीधी पीठ वाली कुर्सी पर जाकर बैठ गई.







थॉमस एकदम शांत बैठा था. एक बार, जब उसे छींक आ रही थी, लेकिन उसने अपनी नाक को अपनी उंगली दबाकर उसे रोक लिया. एक बार, जब उसे अपने पैर को खुजलाने की सख्त इच्छा हुई, तो उसने खुजली से अपना ध्यान हटाने के लिए बीस तक गिनती गिनी.

बहुत देर बाद, थॉमस ने अपना गला साफ़ किया और फुसफुसाया, "मिस्टर टूमी, क्या मैं आपसे एक सवाल पूछ सकता हूँ?"

लकड़ी के नक्काशीकार ने थॉमस को घूर कर देखा, फिर अपने कंधे उचकाए और घुरघुराया. थॉमस ने सोचा कि इसका मतलब "हाँ" था, इसलिए वह आगे बोला. "क्या यह मेरी भेड़ है जिसे आप तराश रहे हैं?"

लकड़ी के नक्काशीकार ने सिर हिलाया और वो फिर से घुरघुराया.

कुछ देर बाद, थॉमस फुसफुसाया, "मिस्टर टूमी, माफ़ करें, लेकिन आप मेरी भेड़ को गलत तरीके से तराश रहे हैं."

विधवा मैकडॉवेल की बुनाई की सुइयों ने क्लिक करना बंद कर दिया. जोनाथन टूमी के चाकू ने नक्काशी करना बंद कर दिया. थॉमस ने कहा. "यह एक सुंदर भेड़ है, अच्छी और घुंघराले, लेकिन मेरी भेड़ें खुश दिख रही थीं."

"यह बकवास है," मिस्टर टूमी ने कहा. "भेड़ें, भेड़ होती हैं. वे खुश नहीं दिख सकतीं."

"मेरी भेड़ें खुश दिख रही थीं," थॉमस ने उत्तर दिया. "वे जानती थीं कि वे शिशु यीशु के साथ हैं, इसलिए वे खुश थीं."

उसके बाद, थॉमस दोपहर के बाकी समय के लिए चुप रहा. जब चर्च की घंटियों में छह बजे, तो मिस्टर टूमी भयानक शोर के बारे में अपनी सांस के नीचे बड़बड़ाए. विधवा मैकडॉवेल ने कहा कि वो उनके घर जाने का समय था. थॉमस ने तीन बार छींका, फिर लकड़ी के नक्काशीकार को उसे काम करते हुए देखने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद दिया. उस शाम, मकई की रोटी और उबले हुए आलू के खाने के बाद, लकड़ी का नक्काशीकार अपनी बेंच पर बैठ गया. उसने अपना चाकू उठाया. उसने भेड़ को उठाया. वह तब तक काम करता रहा जब तक उसकी पलकें बंद नहीं हो गईं.

कुछ दिनों बाद लकड़ी के नक्काशीकार के दरवाजे पर दस्तक हुई. वह बड़बड़ाते हुए दरवाज़े पर गया. वहाँ विधवा और उसका बेटा खड़े थे.

“क्या मैं फिर से आपको काम करते हुए देख सकता हूँ? मैं चुप रहूँगा,” थॉमस ने कहा.

वह बहुत चुपचाप स्टूल पर बैठ गया, जबकि उसकी माँ ने मेज़ पर मीठी महक वाली किशमिश की बन्स की टोकरी रखी.

“चायदानी गर्म है,” मिस्टर टूमी ने कर्कश स्वर में कहा, उनका सिर उनके काम पर झुका हुआ था.

जब मिस्टर टूमी नक्काशी कर रहे थे, विधवा मैकडॉवेल ने चाय उंडेली. उसने लकड़ी के नक्काशीकार के कंधे को धीरे से छुआ और उसके बगल में चाय का एक कप और एक बन रख दिया. उसने ध्यान न देने का नाटक किया, लेकिन जल्द ही, प्लेट और कप दोनों खाली हो गए.

थॉमस ने अपनी माँ द्वारा दिए बन को जितना हो सके चुपचाप खाने की कोशिश की. लेकिन सात साल की उम्र में गर्म चिपचिपी किशमिश के बन को बिना चटकाए, चाटे, संतुष्ट आवाज़ किए बिना खाना लगभग असंभव था.

जब थॉमस ने खाना खत्म किया, तो उसने चुपचाप बैठने की कोशिश की. एक बार, उसे लगभग हिचकी आई, लेकिन उसने गहरी साँस ली और उसे तब तक रोके रखा जब तक उसका चेहरा लाल नहीं हो गया. और एक बार, बिना सोचे-समझे, उसने अपने पैर हिलाना शुरू कर दिए, लेकिन लकड़ी के नक्काशीकार की एक तीखी नज़र ने उसे रोक दिया और फिर उसने उन्हें इतना स्थिर रखा कि वे सो गए.





बहुत देर के बाद, थॉमस फुसफुसाया, "मिस्टर टूमी माफ़ करें, क्या मैं एक सवाल पूछ सकता हूँ?"

"क्या वो मेरी गाय है जिसे आप तराश रहे हैं?"

थॉमस ने सिर हिलाया और घुरघुराया.

एक और बहुत लंबा समय बीत गया. फिर थॉमस ने अपना गला साफ़ किया और कहा, "मिस्टर टूमी माफ़ करें, लेकिन मुझे आपको कुछ बताना है. यह एक सुंदर गाय है, मैंने अब तक जितनी भी गायें देखी हैं, उनमें से सबसे सुंदर गाय, लेकिन फिर भी वो सही नहीं है. मेरी गाय गर्व से भरी दिख रही थी."

"यह बकवास है," लकड़ी के नक्काशीकार ने गुर्राते हुए कहा. "गाय तो गायें ही होती हैं. वे गर्व से भरी नहीं दिख सकतीं."

"मेरी गाय गर्व से भरी दिख रही थी. वो जानती थी कि यीशु ने उसके खलिहान में जन्म लेना चुना है, इसलिए यह गर्वित थी."

दोपहर के बाकी समय थॉमस चुप रहा. केवल नक्काशी करने वाले चाकू की खरोंच, विधवा मैकडॉवेल की गुनगुनाहट और उसकी बुनाई की सुइयों की क्लिक-डिक की आवाज़ें ही सुनाई दे रही थीं. जब चर्च की घंटियों में छह बजे, तो मिस्टर टूमी शोर के बारे में अपनी सांसों में बड़बड़ाए. विधवा मैकडॉवेल ने कहा कि अब उनके जाने का समय हो गया था. थॉमस ने पहले एक पैर हिलाया, फिर दूसरा. उसने लकड़ी के नक्काशी करने वाले को उसे देखने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद दिया.

उस शाम, उबले हुए आलू और किशमिश बन्स खाने के बाद, लकड़ी के नक्काशी करने वाला अपनी बेंच पर बैठ गया. उसने अपना नक्काशी करने वाला चाकू उठाया. उसने गाय को उठाया. वह तब तक काम करता रहा जब तक उसकी पलकें बंद नहीं हो गईं.

कुछ दिनों बाद लकड़ी के नक्काशी करने वाले के दरवाजे पर दस्तक हुई. उसने जवाब देने के लिए अपने बालों को ठीक किया. दरवाजे पर विधवा और उसका बेटा था.

"क्या मैं फिर से आपको काम करते हुए देख सकता हूँ?" थॉमस ने विनती की.

जब श्रीमती मैकडॉवेल ने चाय गर्म की और वर्कबेंच पर ताज़े गुड़ के बिस्कुट की प्लेट रखी. थॉमस ने लकड़ी के नक्काशीकार को एक देवदूत की आकृति पर काम करते देखा.

कुछ समय के बाद, थॉमस बोला. "मिस्टर टूमी, माफ़ करें, क्या यह मेरा देवदूत है जिसे आप तराश रहे हैं?"

"हाँ. और क्या तुम मुझे यह बताने का उपकार करोगे कि मैं क्या गलत कर रहा हूँ?"

"अच्छा, मेरा देवदूत भगवान के सबसे महत्वपूर्ण देवदूतों में से एक दिखता था, क्योंकि उसे बेबी यीशु के पास भेजा गया था."

"और आखिर कोई देवदूत को महत्वपूर्ण कैसे बना सकता है?" लकड़ी के नक्काशीकार ने पूछा.

"आप ऐसा कर पाएँगे," थॉमस ने कहा. "आप घाटी में सबसे अच्छे लकड़ी के नक्काशीकार हैं."

बहुत लंबे समय के बाद, थॉमस बोला.

"मिस्टर टूमी, माफ़ कीजिए, क्या मैं एक सवाल पूछ सकता हूँ?"

"क्या तुम कभी बोलना बंद नहीं कर सकते?" लकड़ी के नक्काशीकार ने पूछा.

"मेरी माँ कहती है कि मैं बोलना बंद नहीं कर सकता. वह कहती है कि मैं आपसे मौन रहने के गुण के बारे में सीख सकता हूँ."

दाढ़ी के नीचे, लकड़ी के नक्काशीकार का चेहरा गुलाबी हो गया. विधवा मैकडॉवेल का चेहरा उस दुपट्टे की तरह लाल हो गया जिसे वह बुन रही थी.

"अच्छा, बोलो, तुम्हारा सवाल क्या है?"

“क्या आप मुझे नक्काशी करना सिखायेंगे?"

"मैं बहुत व्यस्त आदमी हूँ," लकड़ी के नक्काशीकार ने बड़बड़ाया. लेकिन उसने महत्वपूर्ण देवदूत को नीचे रख दिया. "तुम एक पक्षी की नक्काशी कर सकते हो."

"एक रॉबिन, मुझे उम्मीद है," थॉमस ने कहा. "मुझे रॉबिन बहुत पसंद हैं."





लकड़ी के नक्काशीकार ने कोयले के एक टुकड़े से भूरे कागज के एक टुकड़े पर रॉबिन का चित्र बनाया. उसने थॉमस को चीड़ का एक छोटा सा टुकड़ा और एक चाकू दिया. उसने उसे दिखाया कि कैसे ब्लॉक से कोनों को काटा जाता है और लकड़ी के किनारे धीरे-धीरे घुमाकर वर्क कैसे बनाए जाते हैं.

थॉमस ने लकड़ी के नक्काशीकार के स्ट्रोक की नकल की, सिर झुकाया, जीभ को अपने निचले होंठ के एक तरफ से दूसरी तरफ घुमाते हुए ध्यान केंद्रित किया.

जब चर्च की घंटियों में छह बजे, तो जोनाथन टूमी, थॉमस का हाथ अपने हाथ में पकड़े हुए, चाकू को पंख के किनारे पर चला रहा था. उसने घंटी बजते हुए नहीं सुनी. विधवा मैकडोवेल ने कहा कि अब उनके जाने का समय हो गया था. थॉमस ने अपनी शर्ट से लकड़ी के छिलके झाड़े. फिर उसने हाथ बढ़ाकर जोनाथन टूमी की दाढ़ी से लकड़ी के दो बड़े टुकड़े झाड़े. उसने नक्काशी करना सिखाने के लिए लकड़ी के नक्काशीकार का धन्यवाद अदा दिया.

बाद में, उबले हुए आलू और गुड़ के बिस्कुट के खाने के बाद, जोनाथन टूमी अपनी वर्कबेंच पर वापिस गया. उसने बहुत देर तक सोचा. उसने एक के बाद एक कई चित्र बनाए. अंत में, उसने नक्काशी करने वाला चाकू उठाया. उसने देवदूत को उठाया. उसने तब तक नक्काशी की जब तक उसकी पलकें बंद नहीं हो गईं.





कुछ दिनों बाद, लकड़ी के नक्काशी करने वाले के दरवाजे पर दस्तक हुई. मिस्टर टूमी ने जवाब देने के लिए छलांग लगाई.

वहां विधवा मैकडॉवेल खड़ी थी, जिसके हाथ में देवदार की शाखाओं और हौली की टहनियों का गुलदस्ता था, जिसमें फल लगे हुए थे. और थॉमस खड़ा था, अपने आंशिक रूप से नक्काशी की गई रॉबिन को पकड़े हुए.

जब थॉमस और मिस्टर टूमी नक्काशी कर रहे थे, तब श्रीमती मैकडॉवेल ने हौली की टहनियों को पानी के एक जार में डाल दिया. उसने मिस्टर टूमी की रसोई की मेज को साफ़ किया और जार को बीच में, घाटी के लिली और डेज़ी से कढ़ाई किए हुए एक सुंदर कपड़े पर रख दिया, जो उसे अलमारी के नीचे एक दराज में मिले थे.

"मैं अब बुद्धिमान पुरुषों और जोसेफ की नक्काशी करूँगा," लकड़ी के नक्काशी करने वाले ने थॉमस से कहा. "शायद, शुरू करने से पहले, तुम मुझे उन सभी गलतियों के बारे में बताओगे जो मैं करने जा रहा हूँ."

"ठीक है," थॉमस ने कहा, "मेरे बुद्धिमान पुरुषों ने अपने सबसे शानदार वस्त्र पहने हुए थे क्योंकि वे यीशु से मिलने जा रहे थे, और मेरा जोसेफ, बेबी यीशु पर झुका हुआ था जैसे कि वह उसकी रक्षा कर रहा हो. वह बहुत गंभीर लग रहा था."

जब चर्च की घंटियाँ बजीं तब विधवा और उसका बेटा जाने की तैयारी कर रहे थे, तब तक मिस्टर टूमी ने देवदार की शाखाओं का जार और साफ़ की हुई मेज़ और घाटी की लिली और डेज़ी से कढ़ाई किए हुए कपड़े को नहीं देखा था.

"मुझे कपड़ा एक दराज में मिला. मुझे लगा कि यह मेज पर बहुत सुंदर लगेगा," विधवा मैकडॉवेल ने मुस्कुराते हुए कहा.

"कभी भी उस दराज को मत खोलना," लकड़ी के नक्काशीकार ने कठोरता से कहा.

जब दोनों चले गए, तो जोनाथन ने कपड़ा रख दिया. उस शाम, उबले हुए आलू खाने के बाद, लकड़ी के नक्काशीकार ने जोसेफ और बुद्धिमान पुरुषों पर तब तक काम किया जब तक कि उसकी पलकें बंद नहीं हो गईं.

कुछ दिनों बाद लकड़ी के नक्काशीकार के दरवाजे पर दस्तक हुई. उसने अपनी दाढ़ी से लकड़ी के टुकड़ों को झाड़ा और अपनी कमीज़ से चूरा झाड़ा. दरवाजे पर विधवा मैकडॉवेल और थॉमस खड़े थे.

पूरी दोपहर थॉमस लकड़ी के नक्काशीकार को काम करते देखता रहा. जब जाने का समय हुआ, तो जोनाथन ने थॉमस से कहा, "मैं आखिरी दो आकृतियाँ - मैरी और शिशु बनाना शुरू करने वाला हूँ. क्या तुम मुझे बता सकते हो कि तुम्हारी आकृतियाँ कैसी दिखती थीं?"

"वे सबसे खास थीं," थॉमस ने कहा. "यीशु मुस्कुरा रहे थे और अपनी माँ की ओर हाथ बढ़ा रहे थे और मैरी ऐसी दिख रही थी जैसे वह उनसे बहुत प्यार करती हो."

"धन्यवाद, थॉमस," लकड़ी के नक्काशीकार ने कहा.

"कल क्रिसमस है. क्या तब तक मूर्तियां तैयार होने की कोई संभावना है?" विधवा मैकडॉवेल ने पूछा.

"वे तैयार हो जाएँगी जब वे तैयार होंगी."

"मैं समझती हूँ," विधवा ने कहा, और उसने जोनाथन को दो पार्सल दिए. "मेरी क्रिसमस," उसने कहा.

जोनाथन ने अपनी बाँहें अपनी छाती पर मोड़ लीं. "मुझे कोई उपहार नहीं चाहिए," उसने कठोरता से कहा.

"यही कारण है कि हम उन्हें दे रहे हैं," विधवा ने उत्तर दिया. उसने उन्हें मेज पर रख दिया और चली गई.

जोनाथन मेज पर बैठ गया. धीरे-धीरे, उसने पहला पार्सल खोला. अंदर एक लाल दुपट्टा था, हाथ से बुना हुआ, गर्म और चमकीला. उसने दुपट्टे को अपनी गर्दन के चारों ओर बाँधा.

दूसरे पार्सल में एक रॉबिन था, जो चीड़ की लकड़ी से उकेरा गया था. जोनाथन के मुँह के कोनों पर एक मुस्कान उभरी क्योंकि उसने अपनी उँगलियाँ टेढ़ी-मेढ़ी पंखों पर फिराईं. उसने अपनी आस्तीन से मेन्टेलपीस को साफ किया और रॉबिन को ठीक बीच में रखा, ताकि वह अपनी कुर्सी से उसे देख सके.



लकड़ी के नक्काशीकार ने उस दिन रात का खाना नहीं खाया. इसकी बजाय, उसने अंतिम आकृतियाँ, मैरी और यीशु का रेखाचित्र बनाना शुरू कर दिया. उसने मैरी का चित्र बनाया और फिर रेखाचित्र को एक गेंद में मोड़कर फर्श पर फेंक दिया. उसने बच्चे का चित्र बनाया, फिर रेखाचित्र को एक गेंद में मोड़कर पहले चित्र के साथ फेंक दिया. उसने फिर से रेखाचित्र बनाया. एक बार फिर उसने कागज़ को मोड़ा. जल्द ही उसके पैरों के पास मुड़े हुए कागज़ों का एक छोटा सा पहाड़ बन गया. उसने लकड़ी का एक टुकड़ा उठाया और नक्काशी करने की कोशिश की, लेकिन उसका चाकू वह नहीं कर सका जो वह करना चाहता था. उसने लकड़ी के टुकड़े को चिमनी में फेंक दिया और आग की लपटों को घूरते हुए बैठ गया.



जब उसने आधी रात को क्रिसमस सर्विस की घोषणा करते हुए चर्च की घंटियाँ सुनीं, तो फिर वह उठ गया. धीरे-धीरे उसने अलमारी के नीचे दराज खोली, वह दराज जिसे उसने विधवा से कभी न खोलने के लिए कहा था.

उसमें से उसने घाटी की लिली और डेज़ी से कढ़ाई किया हुआ कपड़ा निकाला. उसने एक खुरदरा ऊनी शॉल और एक फीते वाला रूमाल निकाला. उसने एक छोटा सा सफ़ेद बेबी कंबल और नीले मोज़े की एक जोड़ी निकाली. उसने हर एक टुकड़े को धीरे से फर्श पर रख दिया. दराज के नीचे से, उसने एक तस्वीर का फ्रेम निकाला, जो गहरे भूरे रंग की चेस्टनट लकड़ी से खूबसूरती से उकेरा गया था.

फ्रेम में एक महिला का चारकोल स्केच था, जो एक रॉकिंग-चेयर पर बैठी थी, और एक बच्चे को पकड़े हुए थी. बच्चे की बाहें ऊपर की ओर उठ रही थीं, और महिला के चेहरे को छू रही थीं. महिला बच्चे को देख रही थी, मुस्कुरा रही थी. जोनाथन अपनी रॉकिंग-चेयर पर बैठ गया और तस्वीर को अपनी छाती से सटा लिया. वह धीरे-धीरे हिल रहा था, उसकी आँखें बंद थीं. उसकी दाढ़ी में से दो आँसू बह रहे थे.

जब वह आखिरकार तस्वीर को अपनी वर्कबेंच पर ले गया और उसने नक्काशी करना शुरू की. इस बार उसकी उंगलियाँ तेज़ी से और निश्चित रूप से काम कर रही थीं. उसने पूरी रात नक्काशी की



अगले दिन, विधवा मैकडॉवेल के दरवाजे पर दस्तक हुई.

जब उसने दरवाजा खोला, तो लकड़ी की नक्काशी करने वाला खड़ा था, उसकी गर्दन लाल दुपट्टे से बंधी हुई थी, और उसके हाथ में पुआल से भरा एक लकड़ी का बक्सा था.

"मिस्टर टूमी," विधवा ने कहा, "क्या आश्चर्य है. मेरी क्रिसमस."

"आपकी मूर्तियां तैयार है," उसने अंदर कदम रखते हुए कहा.

बॉक्स से, जोनाथन ने दो घुंघराली भेड़ों को निकाला, खुश भेड़ें क्योंकि वे यीशु के साथ थीं. उसने एक गर्वित गाय और एक देवदूत को निकाला, एक बहुत ही महत्वपूर्ण देवदूत जिसके कंधों से लेकर उसके गाउन के किनारे तक शक्तिशाली पंख फैले हुए थे. उसने तीन बुद्धिमान पुरुषों को निकाला जो अपने सबसे शानदार वस्त्र पहने हुए थे, फर के किनारे और समृद्ध सिलवटों में गिर रहे थे.

उसने एक गंभीर और देखभाल करने वाले जोसेफ को निकाला. उसने एक खुरदरी ऊनी शॉल पहने हुए मैरी को निकाला, जो नीचे देख रही थी, अपने प्यारे बच्चे को प्यार कर रही थी. यीशु मुस्कुरा रहे थे और अपनी माँ के चेहरे को छूने के लिए आगे बढ़ रहे थे.



उस दिन, जोनाथन, विधवा मैकडॉवेल और थॉमस के साथ क्रिसमस सर्विस में गया. और उस दिन चर्चयार्ड में गाँव के बच्चों ने जोनाथन को अपना सिर पीछे झुकाते हुए देखा, उसकी आँखें अगस्त के आसमान की तरह साफ दिख रही थीं, और वह हँस रहा था. किसी ने उसे फिर कभी मिस्टर ग्लूमी, यानि उदास नहीं कहा.



